

कार्यकारी सारांश

पथराई और लुरेना बॉक्साइट खदान
के लये

पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट

प्रस्तावित उत्पादन क्षमता: 307692.3 टीपीए (रोम),
खनिज: 200000 टीपीए, खनिज अस्वीकार: 107692.3 टीपीए

खनन प 1 क्षेत्र 79.19 हे.

ग्राम -पथराई और लुरेना, तहसील - मैनपाट,
जिला- सरगुजा, छत्तीसगढ़

एम.एस. छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम ल मटेड
द्वारा

परियोजना लागत: 6.0 करोड़ रुपये

श्रेणी- B1

PROJECT PROPONENT

M/S CHHATTISGARH MINERAL
DEVELOPMENT CORPORATION
LIMITED
Sector 24, Block no. 7A, Third Floor,
Nava Raipur, Atal Nagar,
(Chhattisgarh) pin- 492015
EMAIL ID:
cmdcraipur@gmail.com Phone
Number: 0771-4283557

EIA CONSULTANT

OVERSEAS MIN-TECH CONSULTANTS
ISO 9001:2015 Certified & NABET
Accredited 501, Apex Tower, Tonk Road,
Jaipur – 302015 Telefax: +91-141-2744509,
Mobile: +91-9460221084
E-mail–
arun.omtc@gmail.com, Website:
www.overseasmintech.com



Project File ID: OMTc/EIA/2022/42



अनुक्रमणिका

क्र.सं.	ववरण	पृष्ठ सं
1.0	परिचय	3
2.0	परियोजना ववरण	3
3.0	परियोजना प्रस्तावक	3
4.0	परियोजना का स्थान	3
5.0	परियोजना की मूख्य वशेषताएं	4
6.0	तलरूप	5
7.0	अध्ययन में जल निकासी	5
8.0	भंडार की गूणवत्ता	6
9.0	खनन की प्रस्तावत व ध	6
10.0	भूम पर्यावरण खानपान क्षेत्र	7
11.0	पर्यावरण का ववरण	7
11.1	मौसम संबंधी डेटा	7
11.2	वायु पर्यावरण	7
11.3	शोर पर्यावरण	8
11.4	जल पर्यावरण	8
11.5	मृती की गूणवत्ता	9
11.6	जैविक पर्यावरण	9
12.0	प्रत्याशत पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय	9
12.1	परिवेशी वायु गूणवत्ता पर प्रभाव	9
12.2	ध्वनि स्तर पर प्रभाव	10
12.3	जल प्रदूषण के लए शमन उपाय	11
12.4	वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव	11
12.5	सामाजिक वातावरण	11
13.0	वकल्पों का वश्लेषण	11
14.0	पर्यावरण संरक्षण के लए बजटीय प्रावधान	11
15.0	निष्कर्ष	12

कार्यकारी सारांश

1. परिचय

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) कसी प्रस्ताव को आगे बढ़ने के लिए स्वीकृति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर निर्णय लेने से पहले संभावित प्रभावों पर विचार करने के लिए एक व्यवस्थित और एकीकृत प्रक्रिया है।

प्रस्तावित परियोजना का खनन पट क्षेत्र 79.19 हेक्टेयर है। (31.57 हेक्टेयर सरकारी भूमि, 47.62 हेक्टेयर निजी भूमि) और MoEF&CC दिनांक 14.09.2006 की EIA अधिसूचना के अनुसार, 1.12.2009, 4.04.2011, 20 अप्रैल, 2022 को संशोधित; प्रस्तावित परियोजना श्रेणी "ए" के अंतर्गत आती है और पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करना अनिवार्य है। तदनुसार, टीओआर को अक्टूबर 2022 के महीने में लागू किया गया था और परियोजना को विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (खनन), एमओईएफएंडसीसी द्वारा 18.10.2022 को संदर्भ की शर्तें (टीओआर) प्रदान की गई थी (अनुलग्नक 1.1 देखें) फाइल संख्या SIA/CG/MIN/82064/2022।

2. परियोजना विवरण

प्रस्तावित परियोजना बॉक्साइट खनन परियोजना है। कुल खनन पट क्षेत्र 79.19 हेक्टेयर है। (43.162 हेक्टेयर सरकारी भूमि, 67.401 हेक्टेयर निजी भूमि), एम.एल क्षेत्र में होने वाली बॉक्साइट के खनिज जमा के साथ राजस्व निजी और सरकारी भूमि शामिल है। खानों की प्रस्तावित क्षमता 307692.30 टीपीए बॉक्साइट है जिसका क्षेत्रफल 79.19 हेक्टेयर है। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग ₹. 6.0 करोड़। पट क्षेत्र सर्वे ऑफ इंडिया की टोपो शीट संख्या 64N/5 के अंतर्गत आता है। राज्य सरकार ने आदेश संख्या एफ 3-3/2022/12, नवा रायपुर दिनांक 13.04.2022 द्वारा आशय पत्र (एलओआई) जारी किया है।

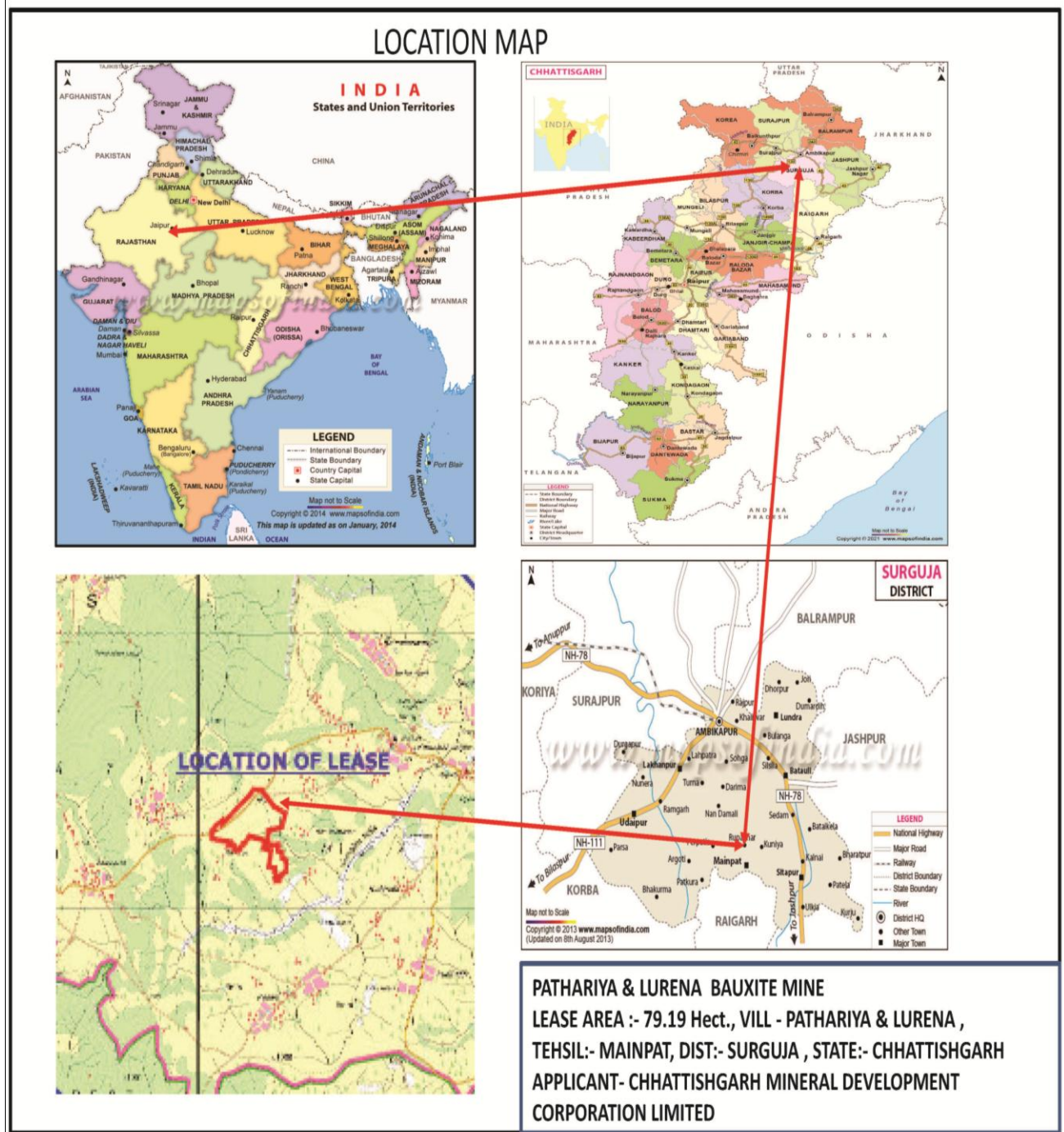
3. परियोजना प्रस्तावक

छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम (सीएमडीसी), रायपुर को बॉक्साइट खनन के लिए पथराई और लुरेना में खनन पट आवंटित किया गया है, जो तहसील-मैनपाट, जिला- सुरगुजा, छत्तीसगढ़ के तहत ग्राम-मुकम में स्थित एक ताजा अनुदान है। पट क्षेत्र 79.19 हेक्टेयर है। और परियोजना श्रेणी बी1 है। इस परियोजना के लिए ओपनकास्ट सेमी-मैकेनाइज्ड माइनिंग पद्धति अपनाई जाएगी।

4. परियोजना का स्थान

प्रस्तावित खदान 79.19 हेक्टेयर के क्षेत्र में गाँव- मुकाम, तहसील- मैनपाट, जिला- सुरगुजा, राज्य- छत्तीसगढ़ के पास स्थित है।

मेसर्स छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम लिमिटेड पथराई और लुरेना बॉक्साइट खान के लिए ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट गांव: पथराई और लुरेना, तहसील: मैनपाट, जिला: सुरगुजा, राज्य: छत्तीसगढ़



चित्र ES-1: सरगुजा जिले में खदान की स्थिति

5. परियोजना की मुख्य विशेषताएं

ता लका ES-1: परियोजना की मुख्य विशेषताएं

क्र.सं.	ववरण	ववरण
1	कुल खान प ा क्षेत्र	79.19 हे.
2	लीज अव ध की वैधता	2022-2023 से 2072-2073
3	SOI टोपो शीट	64 N/5

क्र.सं.	ववरण	ववरण
4	एमएसएल से ऊपर की ऊंचाई	उच्चतम एमएसएल 1045 मी न्यूनतम एमएसएल 1026 मी
5	वर्तमान भूमि उपयोग	कृषि
6	निकटतम राजमार्ग	रायपुर-अंबिकापुर NH-12 लगभग 55 किमी पर।
7	निकटतम रेलवे स्टेशन	अंबिकापुर रेलवे स्टेशन उत्तर दिशा में साइट से लगभग 38.31 किमी।
8	निकटतम हवाई अड्डा	माँ महामाया हवाई अड्डा अंबिकापुर स्थल से उत्तर दिशा में लगभग 23.70 किमी और स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, रायपुर हवाई अड्डा स्थल से दक्षिण पश्चिम दिशा में लगभग 237.5 किमी दूर
9	निकटतम बंदरगाह	धामरा बंदरगाह लगभग 460 कि.मी.
10	निकटतम शहर / शहर	मैनपाट तहसील 2.5 किमी पर (लगभग)
11	निकटतम गाँव	परियोजना सीमा से 0.56 और 1.30 किमी के भीतर पथराई और लुरेना गांव, अन्य कुछ गांव परियोजना क्षेत्र के 15 किमी के भीतर स्थित हैं
12	एमएल क्षेत्र वाले गांव	निल
13	पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान	निल
14	राष्ट्रीय उद्यान/वन्यजीव अभ्यारण्य	निल
15	आरक्षित/संरक्षित वन	वन, (RF, PF) क्षेत्र खदान स्थल से 15 किमी के भीतर स्थित है, कुमारता RF 4.0 KM दक्षिण दिशा की ओर। पटकुरा पीएफ 10 KM WSW साइट डायरेक्शन, और बरिमा R.F 6.5 KM ESE साइट डायरेक्शन,
16	राज्य और राष्ट्रीय सीमाएँ	15 कि.मी. के अध्ययन क्षेत्र में शून्य खदान स्थल से झारखंड राज्य सीमा - खदान स्थल से उत्तर दिशा में 82 किमी, खदान स्थल से मध्य प्रदेश - पश्चिम दिशा में 120 किमी, खदान स्थल से उत्तर प्रदेश - 121 किमी उत्तर दिशा, ओडिशा - खदान स्थल से 77 किमी दक्षिण पूर्व दिशा और बिहार - 124 किमी उत्तर पूर्व दिशा में
17	धाराएँ / नदियाँ / जल निकासी पैटर्न	खनन पट्टे के अंतर्गत शून्य क्षेत्र का मुख्य जल निकासी पठार से निकलने वाले विभिन्न मौसमी जल पाठ्यक्रमों के माध्यम से होता है। नदी और नाला क्षेत्र खदान स्थल से 15 किमी के भीतर स्थित है, जलजला नलाई 3.3 KM NNE साइट दिशा, मनचरी नाला 5.2 KM NW साइट दिशा, बरन नदी 12.0 KM NW साइट दिशा, जोगनछतेन नाला 12.0 KM SW साइट दिशा, कोएर्गा नदी 11.5 KM SSW साइट डायरेक्शन, संगुल नाडी 6.6 KM SSE साइट डायरेक्शन, संगुल नाडी 6.6 KM SSE साइट डायरेक्शन, गंगा नाला 1.0 KM SE साइट डायरेक्शन, घगी नाला 8.8 KM ईस्ट साइट डायरेक्शन और मंगरदा नाला 6.5 KM ईस्ट साइट डायरेक्शन।

क्र.सं.	ववरण	ववरण
18	रक्षा प्रतिष्ठान	निल
19	सस्मी सटी	भूकंपीय रूप से, इस क्षेत्र को IS-1893 (भाग-I)-2002 के अनुसार जोन-II के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।
20	पास की खदानें	निल
21	परियोजना की लागत	6.0 करोड़।
22	पानी की आवश्यकता	6.5 केएलडी
23	जल का स्रोत	पानी की आपूर्ति स्थानीय आपूर्तिकर्ता से की जाएगी।

6. स्थलाकृति

क्षेत्रीय स्थलाकृति में मैनपाट पठार की ऊंचाई लगभग 1060 मीटर AMSL है। कमलेश्वरपुर के उत्तर में पठार की सबसे ऊंची ऊंचाई 1,116 मीटर है। पठार पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर लगभग 40 किलोमीटर की लंबाई और उत्तर-दक्षिण दिशा की ओर लगभग 14 किलोमीटर की चौड़ाई में फैला हुआ है और इसके किनारों के साथ खड़ी ढलानों की विशेषता है। कहीं-कहीं पर इन ढालों को खड़ी घाटियों द्वारा विच्छेदित किया जाता है जो कुछ स्थानों पर 150 मीटर तक गहरी होती हैं। आवेदित पट्टा क्षेत्र मैनपाट पठार का एक भाग है; स्थलाकृति एक विच्छेदित पठार है और दक्षिणी दिशा की ओर ढलान है। डीजीएम द्वारा पूर्वक्षण के दौरान पट्टा क्षेत्र का सर्वक्षण 1:4,000 के पैमाने पर एक मीटर के कंटूर अंतराल के साथ किया गया है। खनन स्थल का ढलान दक्षिण दिशा की ओर है और पट्टा क्षेत्र में वर्षा जल का कोई कुंड नहीं है।

7. अध्ययन में जल निकासी

सुरगुजा जिला नदियों के साथ महानदी बेसिन का एक हिस्सा है। हसदेव, गेज, चोरनाई और मंड के साथ-साथ महान, गागर और बिचरी नदियों के साथ गंगा बेसिन। गंगा बेसिन 65% क्षेत्र को कवर करता है, हालांकि शेष क्षेत्र महानदी बेसिन द्वारा सूखा जाता है। जिले में जल निकासी पैटर्न उप-वृक्ष के समान है और जल निकासी घनत्व मध्य और दक्षिणी भागों में अधिक है। प्रवाह की दिशा भी उसी पर इंगित की गई है। प्रमुख जल निकासी दक्षिण की ओर है और कुछ प्राकृतिक नालियां खनन पट्टा क्षेत्र से दूर उत्तर-उत्तर पूर्व की ओर देखी जा सकती हैं।

8. भंडार की गुणवत्ता

पूर्वक्षण रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के अनुसार भंडार और संसाधनों का अनुमान लगाया गया है। पूर्वक्षण के दौरान बॉक्साइट के कट-ऑफ ग्रेड को Al₂O₃ न्यूनतम 40% माना जाता है, जबकि इस खनन योजना की तैयारी के लिए रिएक्टिव सिलिका 5% के साथ Al₂O₃ 30% के थ्रेशोल्ड मान के अनुसार रिजर्व का अनुमान लगाया गया है। डीजीएम छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2019-20 में भूवैज्ञानिक मानचित्रण और अन्वेषणात्मक ड्रिलिंग की गई, 79.19 हेक्टेयर क्षेत्र में 4933.7 मीटर गहराई के 467 बोर छेदों का पता लगाया गया और बॉक्साइट की उपस्थिति दिखाई गई, 2055 नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। बॉक्साइट जमा जेब और लेंस के रूप में होता है। अयस्क निकाय की स्ट्राइक लंबाई लगभग 350 मीटर है। और अयस्क निकाय की चौड़ाई 100 से 300 मीटर है और अयस्क निकाय की मोटाई 4.80

मीटर (औसत) है।

टेबल ES-2: कट-ऑफ ग्रेड के साथ खनिज रिजर्व

Classification	Code	Quantity			Grade	
		Forest	Non-Forest	Total	Forest	Non-Forest
A. Mineral Reserve						
1. Proved Mineral Reserve (A)	111	--	--	--	--	
2. Probable Mineral Reserve (A)	121& 122	-- --	1256808.578 & 174493.22	1256808.578 & 174493.22	-- --	Al2O3 30%
Total (A)		--	1431301.798	1431301.798	--	--
B. Remaining Resources						
1. Feasibility Mineral Resource (B)	211	--	--	--	--	--
2. Prefeasibility Mineral Resource (B)	221	--	423528.39	423528.39	--	Al2O3 30%
3. Prefeasibility Mineral Resource (B)	222		64300.45	64300.45	--	Al2O3 30%
4. Measured Mineral Resource (B)	331		--	--	--	
5. Indicated Mineral Resource (B)	332		--	--	-	
6. Inferred Mineral Resource (B)	333		89465.17	89465.17		
7. Reconnaissance Mineral Resource (B)	334		--	--	-	
Total Mineral Resources (A+B)			2,008,595.80	2,008,595.80		

Source: Consultants Team

9. खनन की प्रस्तावत व ध

प्रस्तावित खनन ओपन कास्ट होगा। ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग के साथ मैकेनाइज्ड तरीका अपनाया जाएगा। कार्यालय, विश्राम गृह, अनुरक्षण शेड, मूत्रालय आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं खनन कार्य शुरू होने से पहले प्रदान की जाएंगी। वाहनों की आवाजाही के लिए एक ढुलाई सड़क पहले से मौजूद है।

ओवरबर्डन हटाने, बॉक्साइट के उत्पादन और प्रेषण से संबंधित कार्य व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा, ओवरबर्डन हटाने के लिए 2.0 घन मीटर आकार के छोटे आकार के एक्सकेवेटर और 18 टन के डम्पर का उपयोग किया जाएगा, और 25 टन क्षमता के 100 मिमी व्यास के डीटीएच ड्रिल होंगे। ड्रिलिंग के लिए इस्तेमाल किया। काम सिंगल शिफ्ट में होगा। हार्ड ओवरबर्डन और अयस्क बेंच को ढीला करने के लिए आवश्यक ब्लास्टिंग के लिए डीटीएच ड्रिल द्वारा 3 से 4 मीटर गहराई के विस्फोट छेद ड्रिल किए जाएंगे।

उसके बाद जहां सॉफ्ट ओवरबर्डन उपलब्ध हो; यह उत्खनन डम्पर संयोजन द्वारा खुदाई की जाती है और खनन क्षेत्र की बैकफिलिंग के लिए उपयोग की जाती है। ऊपरी मिट्टी और सॉफ्ट ओवरबर्डन (एसओबी) को अलग-अलग हटाया जाएगा, लेकिन दोनों के लिए एक ही बेंच है।

हार्ड ओवरबर्डन को ड्रिल किया जाएगा, ढीला करने के लिए ब्लास्ट किया जाएगा और एक्सकेवेटर डम्पर कॉम्बिनेशन द्वारा खनन किए गए क्षेत्र को बैकफिल करने के लिए स्थानांतरित किया जाएगा। ओवरबर्डन को हटाने के बाद, 30% Al2O3 से ऊपर के ग्रेड वाले उजागर अयस्क क्षेत्र को ड्रिलिंग ब्लास्टिंग द्वारा ढीला

करने के बाद खुदाई की जाएगी। इसके बाद वर्किंग फेस पर ही ब्लास्ट अयस्क की साइजिंग व छंटाई की जा रही है। 600 मिमी से अधिक आकार के बोल्टर को मैनुअल आकार देने/छंटाने से पहले हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर द्वारा (-) 600 मिमी आकार तक घटाया जाता है।

बॉक्साइट को हटाने के बाद खनन किए गए क्षेत्रों को समवर्ती रूप से उत्पन्न ओबी (हार्ड / सॉफ्ट लेटराइट), रिजेक्ट सामग्री और शीर्ष मिट्टी से बैकफिल किया जाता है। सामग्री की बैकफिलिंग उसी क्रम में की जाएगी जैसे कि यह प्रकृति में पाई जाती है, यानी तल में सख्त लेटराइट, फिर नरम लेटराइट और ऊपर की मिट्टी। समय-समय पर डोजर द्वारा बैकफिल क्षेत्र का समतलीकरण और संघनन किया जा रहा है ताकि स्थलाकृति को उसके मूल आकार में बहाल किया जा सके।

खनन के दौरान यह पाया गया है कि, बिक्री योग्य ग्रेड बॉक्साइट का अनुमानित पुनर्प्राप्ति कारक कुल सामग्री का 65% है। कुल 100% अयस्क क्षेत्र में से 65% सामग्री बिक्री योग्य बॉक्साइट होगी और शेष 35% अपशिष्ट/अस्वीकृत होगी। 38% से अधिक एल्युमिना की गुणवत्ता वाली सामग्री को उसके आकार और छंटाई के बाद ढेर कर दिया जाएगा। ग्रेड बॉक्साइट के खनन के दौरान, कट-ऑफ ग्रेड गुणवत्ता 40% एल्युमिना मिलने पर उसे अलग किया जाएगा और उच्च ग्रेड खनिज के साथ मिश्रित किया जाएगा, इसलिए अलग से स्टॉक की आवश्यकता नहीं है। बची हुई सामग्री अस्वीकृत होगी और बैकफिलिंग उपयोग के लिए खनन क्षेत्र में ले जाया जाएगा।

10. भूमि पर्यावरण खान पर क्षेत्र

पूरे परे का क्षेत्रफल 79.19 हेक्टेयर है। (31.57 हेक्टेयर सरकारी भूमि, 47.62 हेक्टेयर निजी भूमि) नम वर्षा आधारित कृषि भूमि है।

11. पर्यावरण का ववरण

इस खंड में साइट के आसपास के क्षेत्र के 10 कमी के दायरे के आधारभूत अध्ययन का ववरण शामिल है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग प्रस्तावित खनन परियोजना के आसपास के मौजूदा पर्यावरण परिदृश्य को समझने के लिए किया गया है जिसके वरुद्ध परियोजना के संभावित प्रभावों का आकलन किया जा सकता है। प्रचलित पर्यावरण सेटिंग्स की गुणवत्ता निर्धारित करने के लिए हवा, पानी (सतही और भूजल), मिट्टी, शोर, मौसम वज्ञान, पारिस्थितिकी और सामाजिक-आर्थिक स्थिति सहित व भन्न पर्यावरणीय मापदंडों के लिए बेसलाइन डेटा तैयार किया गया था। अध्ययन के लिए बेसलाइन डेटा गर्मी (मार्च से मई, 2022) के मौसम के दौरान आयोजित किया गया था।

11.1 मौसम संबंधी डेटा

अध्ययन क्षेत्र लंबी उमस भरी गर्मी और कम सर्दी के साथ उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु का हिस्सा है। मानसून के दौरान वर्षा भारी और पूर्व मानसून के मौसम में हल्की होती है। क्षेत्र में दर्ज की गई वार्षिक औसत कुल वर्षा 1526.9 मिमी पाई गई। अधिकतम औसत वर्षा (460.9 मिमी) जुलाई के महीने में दर्ज की गई थी। इस महीने में सबसे ज्यादा बारिश के दिन भी रहे। मई के महीने में औसत अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस और दिसंबर में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस क्षेत्र में उच्चतम

तापमान जून 1988 में 44.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि जनवरी 1989 में न्यूनतम 0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मानसून के मौसम के दौरान अगस्त के महीने में सापेक्ष आर्द्रता उच्चतम 88% दर्ज की गई थी।

जून के महीने में हवा की अधिकतम औसत गति 7.8 किमी प्रति घंटा पाई गई। आईएमडी स्टेशन पर दर्ज की गई प्रमुख हवा की दिशा उत्तर से और उसके बाद दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम से थी।

11.2 वायु पर्यावरण

सात परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी (AAQM) स्टेशनों का चयन किया गया। नेटवर्क को डिजाइन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मानदंड मुख्य रूप से प्री-मानसून सीज़न के लिए विंड रोज़ पैटर्न और चयनित साइटों की पहुंच द्वारा नियंत्रित होते थे। सभी स्थानों पर मापदंडों का मान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर पाया गया है।

- PM10: कमलेश्वरपुर स्थल पर PM10 के लिए उच्चतम (98वां प्रतिशतक) मूल्य यानी 69.88 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ देखा गया और कुदरीडीह में PM10 के लिए $\mu\text{g}/\text{m}^3$ का न्यूनतम मूल्य 28.88 देखा गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा 100 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है।
- PM2.5: PM2.5 के लिए उच्चतम (98 वाँ प्रतिशतक) मूल्य यानी 32.88 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ कमलेश्वरपुर में देखा गया और PM2.5 के लिए न्यूनतम मूल्य 20.66 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ पैगा में देखा गया। औद्योगिक, आवासीय ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा 60 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है।
- SO₂: 14.88 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ के SO₂ के लिए उच्चतम (98वां प्रतिशतक) मान कमलेश्वरपुर गांव में देखा गया और SO₂ के लिए न्यूनतम मूल्य 8.16 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है जो केसरा में देखा गया। औद्योगिक, आवासीय, ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा 80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है।
- NO₂: परियोजना स्थल पर उच्चतम (98वाँ प्रतिशतक) मूल्य यानी 19.45 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ देखा गया और NO_x के लिए न्यूनतम मूल्य 10.1 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ केसरा गाँव में देखा गया। औद्योगिक, आवासीय, ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों के लिए 24 घंटे की लागू सीमा 80 $\mu\text{g}/\text{m}^3$ है।

डेटा इंगित करता है कि परिणाम NAAQS में निर्दिष्ट मानकों के भीतर हैं।

11.3 ध्वनि पर्यावरण

क्षेत्र में शोर का स्तर दिन के समय 52.2 डीबी (ए) से 66.8 डीबी (ए) और रात के समय 38.2 डीबी (ए) से 45.6 डीबी (ए) तक होता है। आस-पास के इलाकों में वाहनों की आवाजाही और खनन गतिविधियों के कारण ट्रैफिक मूवमेंट पाया गया। सामान्य तौर पर, अध्ययन क्षेत्र में शोर का स्तर मानकों से काफी नीचे पाया गया।

11.4 जल पर्यावरण

माइन लीज एरिया का ड्रेनेज पैटर्न

पट्टा क्षेत्र में कोई बारहमासी नाला नहीं बह रहा है। क्षेत्र का मुख्य जल निकासी पठार से निकलने वाले विभिन्न मौसमी जल पाठ्यक्रमों के माध्यम से होता है। पठार की धाराएँ एक संयोजन रेडियल और

ड्रेनैजिग पैटर्न प्रदर्शित करती हैं। एक मुख्य नाला गंगाटा क्षेत्र के उत्तरी भाग पर लगभग >3 किमी है, जो उत्तरी दिशा की ओर बहती है और गंगा नाला से मिलती है।

उत्तर दिशा से दक्षिण दिशा की ओर मंद ढाल है; कोई धारा खदान क्षेत्र को पार नहीं करती है। खान पट्टा क्षेत्र के भीतर जल निकासी, क्योंकि यह देखा जा सकता है कि प्रवाह दक्षिण की ओर है जो दक्षिण में नाला में योगदान देता है।

पानी की गुणवत्ता

अध्ययन क्षेत्र के पानी की गुणवत्ता जानने के लिए एक सतही पानी और सात भूजल के नमूने एकत्र किए गए और उनका परीक्षण किया गया। प्रासंगिक भौतिक और रासायनिक मापदंडों के लिए एकत्र किए गए नमूनों की जांच की गई। फील्ड विश्लेषण किट की मदद से नमूने एकत्र करने के तुरंत बाद नमूना स्टेशनों पर पीएच और क्षारीयता जैसे मापदंडों का विश्लेषण किया गया। फ्लोराइड्स, क्रोमियम, लोहा और मैंगनीशियम जैसे धात्विक घटकों का परमाणु अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोप के साथ विश्लेषण किया गया था। अमेरिकन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (एपीएचए) द्वारा प्रकाशित 'पानी और अपशिष्ट जल की जांच के लिए मानक तरीके' में निर्दिष्ट प्रक्रियाओं के अनुसार नमूने एकत्र किए गए और उनका विश्लेषण किया गया। परिणामों की तुलना भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के साथ की गई। एकत्र किए गए सतही जल के नमूनों की पानी की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया और IS: 2296 वर्ग C और IS: 10500: 2012 के अनुसार वांछनीय सीमा के भीतर पाया गया, और पारंपरिक उपचार और कीटाणुशोधन के बाद पीने के लिए उपयुक्त है।

नमूनों का रंग और मैलापन सामान्य था। कुल घुलित ठोस 228-360 mg/l रेंज था जो 1500 mg/l की अधिकतम स्वीकार्य सीमा के भीतर है।

नमूनों में क्लोराइड, सल्फेट और फ्लोराइड की सघनता स्वीकार्य सीमा से काफी कम थी। मैंगनीशियम की सांद्रता 9.2 -24.4 mg/l की सीमा में थी। जल निकायों की स्थिर प्रकृति के कारण सतही जल निकायों का जैविक संदूषण देखा गया। भारी धातुएं पता लगाने योग्य सीमा से नीचे पाई गईं। सामान्य तौर पर, नमूने के स्थान की पानी की गुणवत्ता प्रासंगिक मापदंडों की सांद्रता पर विचार करते हुए IS: 2296 वर्ग C के अनुसार स्वीकार्य सहनशीलता सीमा का अनुपालन करती हुई पाई गई और पारंपरिक उपचार के बाद पीने के उद्देश्य के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।

11.5 मिट्टी की गुणवत्ता

प्रस्तावित अध्ययन क्षेत्र में मिट्टी की गुणवत्ता को समझने के लिए मिट्टी के नमूने के लिए 7 स्थानों का चयन किया गया था। प्रत्येक स्थान पर जड़ की गहराई (30 सेमी) तक मिट्टी का समग्र नमूना लिया गया। मिट्टी के महत्वपूर्ण गुण थोक घनत्व, सरंधता, घुसपैठ दर, पीएच और कार्बनिक पदार्थ, केजेल्डाल नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटेशियम हैं।

11.6 जैविक पर्यावरण

फलोरा

परियोजना स्थल घनी वनस्पतियों से रहित एक खुली झाड़ीदार भूमि है। अध्ययन क्षेत्र में तथा अध्ययन क्षेत्र के आरक्षित वनों में पाए जाने वाले आम पेड़ तेंदू, बेल, आंवला, खैर, आम, साल, चंपा, सागौन, पकड़ी, केकड़, महुवा आदि हैं।

पशुवर्ग

खनन पट्टा क्षेत्र कृषि भूमि है और यह क्षेत्र महत्वपूर्ण जीव-जंतुओं के अस्तित्व से रहित है। अध्ययन क्षेत्र में यादृच्छिक अवलोकन के माध्यम से एक प्राथमिक क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया था और क्षेत्र के स्थानीय लोगों और वन अधिकारियों से डेटा भी एकत्र किया गया था। अध्ययन क्षेत्र में और अध्ययन क्षेत्र में आरक्षित वनों में पाए जाने वाले आम स्तनपायी हैं सियार, गिलहरी, फल चमगादड़, खेत का चूहा, बंगाल बंदर, भौंकने वाला हिरण, जंगल बिल्ली आदि। अध्ययन क्षेत्र में पाए जाने वाले सामान्य पक्षी आम मैना हैं। घरेलू कौआ, चित्तीदार कबूतर, जंगल कौआ आदि।

12. प्रत्या शत पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

12.1 परिवेशी वायु गुणवत्ता पर प्रभाव

खनन ओपनकास्ट मैकेनाइज्ड विधि से किया जाना प्रस्तावित है। अयस्क और हैंडलिंग संचालन, परिवहन और अयस्क की स्क्रीनिंग से उत्पन्न वायु जनित कण पदार्थ मुख्य वायु प्रदूषक है। सड़कों पर चलने वाले वाहनों द्वारा सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂), नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO_x) का उत्सर्जन मामूली है। प्रस्तावित उत्पादन और उत्सर्जन में शुद्ध वृद्धि को ध्यान में रखते हुए वायु पर्यावरण पर प्रभावों की भविष्यवाणी की गई है। परियोजना स्थल में PM_{2.5} की अधिकतम वृद्धिशील जमीनी स्तर की सघनता 3.76 µg/m³ होगी। इससे पता चलता है कि एमएल क्षेत्र के बाहर खनन का प्रतिकूल प्रभाव मामूली होगा और मानव और पशुओं के स्वास्थ्य और क्षेत्र के वनस्पतियों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। PM₁₀ के लिए खनन पिट पर वृद्धिशील मूल्य 13.0 µg/m³ है और यह केवल खदान क्षेत्र तक ही सीमित है इसलिए पर्यावरण पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

वायु प्रदूषण के लए शमन उपाय

बॉक्साइट एल्यूमीनियम का एक हाइड्रेटेड ऑक्साइड है। यह गिबसाइट (Al₂O₃.3H₂O) और बोहेमाइट (Al₂O₃.H₂O) के अनुरूप दो या दो से अधिक हाइड्रॉक्साइड का मिश्रण है। बॉक्साइट में नमी की मात्रा लगभग 3% से 7% है। इसलिए, खनन कार्यों के दौरान खनिज प्रबंधन के कारण उत्सर्जन बहुत अधिक नहीं है और केवल पट्टा क्षेत्र तक ही सीमित है। वायु प्रदूषण मुख्य रूप से खनन कार्यों जैसे लोडिंग आदि के साथ-साथ परिवहन गतिविधियों से गैसीय उत्सर्जन के साथ धूल उत्पन्न होने के कारण होता है।

भगोड़ा उत्सर्जन का नियंत्रण

- खदान कर्मियों द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) जैसे डस्ट मास्क, ईयर प्लग आदि का उपयोग।

- हॉल रोड और लोडिंग पॉइंट्स पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा।
- लीज बाउंड्री के आसपास हरित पट्टी/पौधारोपण का विकास, सड़कें, डंप आदि विकसित किए जाने चाहिए।
- परिवेशी वायु की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए नियमित आधार पर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी की जाती है।

गैसीय प्रदूषण का संरक्षण और नियंत्रण

खनन गतिविधियों में, गैसीय उत्सर्जन के स्रोत वाहनों की आवाजाही होगी। मशीनों के उचित रखरखाव से दहन प्रक्रिया में सुधार होता है और प्रदूषण में कमी आती है। ईंधन और तेल के अच्छे रखरखाव और निगरानी से गैसीय उत्सर्जन में महत्वपूर्ण वृद्धि नहीं होगी।

12.2 ध्वनि स्तर पर प्रभाव

खदान में उत्पन्न शोर ट्रक परिवहन गतिविधियों के कारण होता है। खनन गतिविधि से उत्पन्न शोर खदान के भीतर समाप्त हो जाएगा। ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और ट्रकों की आवाजाही के कारण ध्वनि प्रदूषण हो सकता है। यह थ्रेशोल्ड वैल्यू यानी 90dB (A) से आगे जा सकता है, लेकिन यह क्षणिक होगा। आस-पास के गांवों पर खनन गतिविधि का कोई बड़ा प्रभाव परिकल्पित नहीं है। शोर का स्पष्ट प्रभाव केवल सक्रिय कार्य क्षेत्र के पास ही महसूस किया जाएगा। गाँवों पर शोर का प्रभाव नगण्य है क्योंकि गाँव प्रस्तावित खदान पट्टा क्षेत्र या खदान के कामकाज से दूर स्थित हैं। चूंकि इसमें प्रमुख मशीनरी की कोई भागीदारी नहीं है, शोर के स्तर का प्रभाव न्यूनतम होगा।

ध्वनि प्रदूषण के लिए शमन उपाय

ध्वनि प्रदूषण के लिए शमन उपाय

ध्वनि प्रदूषण के शमन के उपाय निम्नानुसार सुझाए गए हैं:

साइट पर शोर पैदा करने वाली सभी मशीनरी की सूची तैयार की जाने वाली उम्र के साथ। उपकरण को अच्छे कार्य क्रम में बनाए रखा जाना चाहिए। वाहनों के उचित रख-रखाव और उसके रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए वाहनों के शोर के उत्पादन को कम किया जाना चाहिए।

वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव को कम करने के लिए अच्छी ब्लास्टिंग पद्धतियों को अपनाएं। ब्लास्टिंग के समय मफलिंग की जाएगी। ब्लास्टिंग शेल्टर के पास और लीज की सीमाओं पर परिवेशी वायु में शोर की निगरानी की जाएगी।

12.3 जल प्रदूषण को कम करने के उपाय

जल प्रबंधन और जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए निम्नलिखित शमन उपाय सुझाए गए हैं। हालांकि, प्राथमिकता प्रासंगिकता खनन और खनिजों के स्थान और प्रकार पर निर्भर करती है।

- खदानों और बाहरी डंपों के चारों ओर माला नालियों का निर्माण किया जाएगा। गारलैंड ड्रेन से सभी आउटलेट पर्याप्त आकार के सेटलिंग पिट्स के माध्यम से रूट किए जाएंगे ताकि निलंबित ठोस को तूफानी जल नालियों में बहने से हटाया जा सके। सिल्ट लोडिंग, ढलान और आवश्यक अवरोधन समय के आधार पर सेटलिंग पिट्स के डिजाइन की गणना की जाएगी।
- वाहन धोने और रखरखाव के अपशिष्ट जल को निलंबित ठोस और तेल और ग्रीस के लिए उपयुक्त रूप से उपचारित किया जाएगा।

जल संरक्षण उपाय

खदान के गड्ढों में बारिश के पानी का संचयन नहीं किया जाएगा क्योंकि यह कृषि भूमि है जिसे खनन के बाद पुनः प्राप्त किया जाएगा और किसानों को सौंप दिया जाएगा।

12.4 वनस्पतियों और जीवों पर प्रभाव

प्रस्तावित खान पट्टा क्षेत्र किसी भी प्रकार के संवेदनशील क्षेत्र से दूर है। खदान स्थल की तैयारी में वनस्पति आवरण को हटाना शामिल होगा जो क्षेत्र की जैव विविधता को प्रभावित कर सकता है। स्थलीय पारिस्थितिकी पर प्रभाव वाहनों से NO₂ जैसे गैसीय प्रदूषकों के उत्सर्जन के कारण होगा। खनन कार्यों के लिए, NO₂ उत्सर्जन मुख्य रूप से खनन वाहनों में डीजल के जलने के कारण होता है। जैसा कि वायु गुणवत्ता पर बेसलाइन में वर्णित है, खनन कार्यों के संचालन के कारण NO₂ की कम सांद्रता का परिवेशी वायु गुणवत्ता पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा और NO₂ की सांद्रता NAAQ मानकों से बहुत कम रहेगी। इसलिए, आसपास के कृषि-पारिस्थितिक तंत्र पर इन उत्सर्जनों का प्रभाव नगण्य होगा।

12.5 सामाजिक पर्यावरण

खदान क्षेत्र में कोई भी बस्ती शामिल नहीं है। इसलिए खनन गतिविधि में मानव बस्ती का कोई विस्थापन शामिल नहीं है। लीज क्षेत्र के भीतर या आसपास कोई सार्वजनिक भवन, स्थान, स्मारक आदि मौजूद नहीं है। खनन कार्य किसी गांव को परेशान/स्थानांतरित नहीं करेगा या पुनर्वास की आवश्यकता नहीं होगी। इस प्रकार कोई प्रतिकूल प्रभाव प्रत्याशित नहीं है। क्षेत्र में खनन गतिविधि का प्रभाव क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर सकारात्मक है। नकारात्मक प्रभाव कुछ छिटपुट स्वास्थ्य समस्याओं तक सीमित रहेगा, जो खानों के आसपास के क्षेत्र में फ्युजिटिव उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हो सकता है। प्रस्तावित खदान परियोजना स्थानीय आबादी को रोजगार प्रदान कर रही है और जब भी मानव शक्ति की आवश्यकता होगी तो स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्थानीय कुशल श्रमिकों के पास परिवहन ट्रकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑटोमोबाइल रखरखाव पेशे में प्रवेश करने का अतिरिक्त अवसर होगा।

13. वकल्पों का वश्लेषण

प्रस्तावित परियोजना में ओपनकास्ट मैकेनाइज्ड माइनिंग विधि से किया जायेगा। इसलिए, कोई नई पद्धति नहीं खोजी गई है। इसलिए, ईएमपी के सभी पैरामीटर ओपन कास्ट मैकेनाइज्ड माइनिंग के अनुसार लागू किए जाएंगे।

14. पर्यावरण संरक्षण हेतु बजटीय प्रावधान

पर्यावरण प्रबंधन और निगरानी कार्यक्रम के लिए पर्याप्त धन आवंटन किया जाएगा। पर्यावरण निगरानी को लागू करने के लिए आवश्यकता के अनुसार समय पर धन जारी किया जाएगा। प्रति वर्ष पूंजीगत लागत 6.0 लाख प्रति और आवर्ती लागत 8.0 लाख है।

15. निष्कर्ष

प्रस्तावित सुविधाओं से क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि विभिन्न प्रदूषकों को स्वीकार्य सीमा के भीतर रखने के लिए पर्याप्त निवारक उपाय अपनाए जाएंगे। क्षेत्र के चारों ओर हरित पट्टी का विकास भी एक प्रभावी प्रदूषण शमन तकनीक के रूप में किया जाएगा, साथ ही पथराई और लुरेना खनन परियोजना के परिसर से निकलने वाले प्रदूषकों के लिए जैविक संकेतक के रूप में काम करेगा होगा।